

06²/₂₃

अखिल भारतीय वारीयन अनुयायियों
को एकत्र लाकर दे गये। अखिल भारतीय वारीयन
अथवा वारीयन स्वयं उपर लक्षित नहीं
न ही अखिल भारतीय वारीयन की
ही नीतीय पालन फिर जारी करे। वास्तव
असह्य हजरे असह्य करवी से अखिल
किया जाय है। प्रजापति केवल शुभ
होकर नरक ले फस हो।

2/23

(रामचन्द्र खटीक)
महायक कलेक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
चित्तौड़गढ़